

Problems being faced lay the Paddy Growers in the country

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम-निर्देशित) : उपसभाध्यक्ष जी, बहुत अच्छा हुआ कृषि मंत्री भी इस वक्त सदन में हैं। मेरा स्पेशल मेशन इस वजह से है कि किसानों को अपना पैदा किया हुआ धान का और पैड़ी की फसल का चावल निकालने की इजाजत नहीं है। किसान सभी मुश्किलें झेलता हुआ अनाज पैदा तो कर लेता है, लेकिन आखिर में जब उसकी फसल तैयार हो जाती है तो उसको अपनी पैड़ी का छिलका भी उतारने की इजाजत नहीं होती है। भारत सरकार ने अपने पत्र में जो तिथि 3-10-91 का उसमें कहा है कि किसानों का जो मिनी थ्रेशर होता है जो किसानों का इम्प्लीमेंट है क्योंकि किसानों के पास ट्रैक्टर होता है, थ्रेशर होता है, उनके पास ट्यूबवेल होता है। इनके अलावा किसानों के पास छोटे छोटे इम्प्लीमेंट्स भी होते हैं, उनके पास हल होता है। यह भी एक ऐसा ही छोटा इम्प्लीमेंट है जो कि सी०आर०एफ०डी०आई० मैसूर ने डेवलप किया है और बाहर के देशों में यह आम किसानों के पास होता है। इसलिए मैं जानना चाहता हूँ कि क्या वजह है कि भारत सरकार ने किसानों को अपनी पैदा की हुई पैड़ी से अपने ही खाने के लिए भी चावल निकालने की इजाजत नहीं दी है? इसलिए मैं आपके जरिये सरकार से यह मांग करता हूँ कि किसानों के जो इम्प्लीमेंट्स उनके ऊपर कोई पाबन्दी नहीं होनी चाहिये। एक तरफ तो सरकार यह कह रही है कि इंडस्ट्रियल पालिसी में हमने छूट दे दी हैं और दूसरी तरफ किसानों को इतना हर दिन बांधा जा रहा है, जंजीरों में जकड़ा जा रहा है। वे अपनी प्रोड्यूस को जो बे खुद पैदा करते हैं, उसके लिए जो सिम्पल प्रोसेस है, वह भी नहीं करने दिया जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए। यह इसलिए हो रहा है कि जो प्रोक्योरमेंट की एजेंसीज हैं उनमें बहुत बड़ा करप्शन है। आज हालत यह है कि पंजाब में एक-एक वेगन लोड करने के लिए एफ०सी०आई० के इंस्पेक्टर हर आदमी से साढ़े तीन से चार हजार रुपये करप्शन के ले रहे हैं। इसकी वजह से पता नहीं क्या-क्या दिक्कतें खड़ी हो रही हैं और सरकार के सामने भी मुश्किलें आ रही हैं और ये किसी लाबी की वजह से आ रही हैं। सरकार को इस बारे में कदम उठाने चाहिए और बोल्ट कदम उठाने

चाहिए। किसानों को पैड़ी से चावल निकालने की इजाजत होनी चाहिए। इससे देश का भी भला होगा और जो करप्शन का फैक्टर है वह भी निकल जाएगा। इससे किसानों को तो सहायित होगी ही, देश को भी इससे फायदा होगा और कंज्यूमर को कम कीमत पर चावल मिलेगा, पालिस राइस मिलेगा। इससे किसान की बेल्यू एडिशन भी होगी। पंजाब की एक समस्या है। उनकी इकनोमी को इस तरह से तोड़ा जा रहा है। इसलिए मैं आपके जरिये सरकार से कहना चाहूंगा कि किसान के साथ यह धक्का बंद होना चाहिए और ओपन करना चाहिए। किसान को जो उसका अपना प्रोड्यूस है उसमें उसको छूट होनी चाहिए।

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra): Sir, I would like to associate myself with it.

DR. YELAMANCHILI SJVAJI (Andhra Pradesh): I also want to associate myself with it. This is a very important matter.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): I know that Shri Vishrjit P-Singh, Shri Siviji, Shri Lather, Shri Ram Niareshji and many others want to associate themselves with him. Fortunately, the Minister concerned is also here and Mr. Jakfaar will take note of it. He is reacting.

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BAURAM JAKHAR): This has to be put before the Cabinet. It is a very good positive suggestion for the improvement of farmers' economic conditions. I agree with this.

Irregularities committed in the purchase of paints by the Railways.

SHRI K. G. MAHESWARAPPA (Karnataka): Mr. Vice-Chairman, Sir, in this special mention, I am raising a very serious irregularity in the purchase of paints by the Western and the Central Railways. In fact, the total annual purchase of paints exceeds Rs. 25 crores. On painting the passenger coaches, the